Raj Express (Indore), 02nd June 2024, Page – 04

आईआईटी इंदौर की ओर से सीएसआर एंड सीआईसी मीट 2024

संस्थान मस्तिष्क और उद्योग मांसपेशियों की शक्ति जैसे

विशेषज्ञों ने बताया मतिष्क को उत्पाद में कैसे बदला जाए

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने अपना तृतीय उद्योग संपर्क कार्यक्रम, सीएसआर एंड सीआईसी मीट 2024 आयोजित की। इसमें कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों में विचार साझा करने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए उद्योग के लीडर, शिक्षाविदों और समाज-सेवी लोगों को एक मंच प्रदान किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने बताया आईआईटी जैसे शैक्षणिक संस्थान मस्तिष्क हैं और उद्योग मांसपेशियों की शक्ति की तरह हैं, इसलिए इस मस्तिष्क को उपयोगी उत्पाद में कैसे बदला जाए, यह उद्योग का एक हिस्सा है।

सामाजिक विकास को आगे बढ़ाने में सहयोग

कॉन्क्लेव का उद्देश्य सामाजिक नवाचार और सतत् विकास के लिए सीएसआर को एक रणनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करना रहा। इस दौरान, आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने संस्थान के बहुमुखी विकास पर बात की, उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता और उद्योग-शैक्षणिक समुदाय साझेदारी को बढ़ाने में इसके रणनीतिक दृष्टिकोण पर जोर दिया। मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी इंदौर के

शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन और सम्मानित अतिथि के रूप में एसबीआई के रा%य प्रमुख (मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) सी.एस. शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य लोगों में कॉर्पोरेट और उद्योगों से जुड़े विशिष्ट अतिथि और प्रतिभागी के साथ-साथ आईआईटी इंदौर के निदेशक, कुलसचिव, संकाय सदस्यगण व अधिकारीगण भी उपस्थित थे। आईआईटी इंदौर के डीन (एसीआर) प्रोफेसर सुमन मुखोपाध्याय और आईआईटी इंदौर के डीन (आर एंड डी) प्रोफेसर आई.ए. पलानी ने नवीन समाधानों और सामाजिक विकास को आगे बढ़ाने में इन सहयोगों के महत्व पर बात की।

मंच बनाने में निभा रहे मुख्य भूमिका

डॉ. के. सिवन ने प्रभावशाली परिवर्तन लाने में सीएसआर के महत्व पर जोर दिया और सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उद्योगों के साथ साझेदारी करने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर बात की। उन्होंने कहा, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व या सीएसआर महज अनुपालन और परोपकार से आगे बढ़कर सामाजिक नवाचार और सतत् विकास के लिए एक रणनीतिक उपकरण बन गया है। यह देखकर प्रसन्नता होती है कि आईआईटी इंदौर जैसे संस्थान समाज की भलाई के लिए शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने वाले मंच बनाने में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। आईआईटी जैसे शैक्षणिक संस्थान मस्तिष्क हैं और उद्योग मांसपेशियों की शक्ति की तरह है, इसलिए इस मस्तिष्क को उपयोगी उत्पाद में कैसे बदला जाए, यह उद्योग का एक हिस्सा है। प्रयोगशालाओं में विकसित प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने व उन्हें सामाजिक उद्देश्यों के लिए उपयोगी बनाने में उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान ने अपने सीएसआर साझेदारों को सीएसआर पुरस्कार 2024 भी प्रदान किया और उद्योग-शैक्षणिक समुदाय पर ध्यान केंद्रित करते हुए सीएसआर फंडिंग के लिए पूर्व और वर्तमान मानदंडों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उद्योग के लिए वर्तमान चुनौतियों और आईआईटी इंदौर से उद्योगों की अपेक्षाओं पर पैनल चर्चा की।